भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 1172
उत्तर देने की तारीख : **23** मार्च, 2012

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए शिक्षकों की आवश्यकता

1172. श्री अनिल माधव दवे:
श्री बलवंत उर्फ बाल आपटे:

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूरे देश में फैले हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आई आई टी) में 10:1 छात्र-शिक्षक के मानक अनुपात के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 2,500 शिक्षकों की जरूरत है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) शिक्षकों की इस कमी को पूरा करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ0 डी. पुरंदेश्वरी)

(क) से (ग): 10:1 के प्रस्तावित छात्र-अध्यापक अनुपात के अनुसार देश के 15 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस समय तकरीबन 1600 अध्यापक पद रिक्त हैं। रिक्तियां होना तथा उनका भरा जाना एक सतत प्रक्रिया है तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान संकाय पदों को भरने हेतु उत्कृष्ट अभ्यर्थियों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न पहलें कर रहे हैं। इनमें कुछ उपायों में वर्ष भर खुले विज्ञापन, वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से चयन समिति की बैठकें आयोजित करना, सक्षम अभ्यर्थियों तक पहुंचने के लिए भूतपूर्व विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों तथा संकाय सदस्यों को आमंत्रित करना, अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में विज्ञापन, उत्कृष्ट युवा संकाय पुरस्कार आदि शामिल हैं। संकाय को परामर्श सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा उन्हें व्यावसायिक विकास भत्ते के अतिरिक्त अनुसंधान शुरू करने के लिए 5.00 लाख रूपए तक की शुरूआती वित्तीय सहायता दी जाती है। हाल ही में सरकार ने केन्द्र सरकार या केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के अंतर्गत कार्यरत संकाय को नव स्थापित केन्द्रीय शैक्षिक संस्थाओं में 10 वर्षों की अवधि हेतु दीर्घकालिक प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य करने हेतु अनुमति देने का निर्णय लिया है।